

श्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II-- लण्ड 3-- उपलण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

⊶सां∘ **5**5]

नई दिन्लो, शुक्रमार, जनवरी 28, 1972/माघ 8, 1893

.210. 551

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 28, 1972/MAGHA 8, 1893

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रत्ना जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 28th January 1972

S.O. 72(E)/18A/IDRA/72.—Whereas the Central Government is of the opinion that *Central Cotton Mills Ltd., Calcutta, an industrial undertaking in respect of which an investigation has been made under section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), is being managed in a manner highly detrimental to public interest;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by section 18A of the said Act, the Central Government hereby authorises the National Textile Corporation Ltd., (hereinafter referred to as Authorised Controller) to take over the management of the whole of the said undertaking, namely, Central Cotton Mills Ltd., Calcutta, subject to the following terms and conditions, namely:—

- (i) The Authorised Controller shall comply with all directions issued from time to to time by the Central Government;
- (ii) The Authorised Controller shall hold office for five years from the date of publication in the official gazette of this notified order;
- (iii) The Central Government may terminate the appointment of the Authorised Controller earlier, if it considers it necessary to do so.
- 2. This Order shall have effect for a period of five years commencing from the date of its publication in the official gazette.

[No. F. 9(4)/Lic. Pol./71.]

S. K. SAHGAL, Jt. Secy.

भ्रोद्योगिक विकास मंत्रालय

(श्रोद्योगिक विकास विभाग)

म्रावेश

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1972

का० ग्रा० 72 (ग्र)/18ए/ग्राई उं ग्रार ए/72.—यत: केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि सैन्ट्रल कॉटन मिल्स लि० कलकत्ता नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का, जिसके सम्बन्ध में श्रीद्योगिक (विकास तथा विनियमन) श्रीधनियम 1951 (1951 का 65) की धारा 15 के श्रधीन एक जांच की गई है, प्रबन्ध इस ढंग से किया जा रहा है जो सार्वजनिक हित में बहुत ही ग्रहितकर है;

अतः श्रव उपरोक्त अधिनियम की धारा 18-क द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रोग करत हुए, केन्द्रीय सरकार राष्ट्रीय वस्त्र निगम (इसमें जिसे एतदोपरान्त प्राधिकृत नियंद्रक कहा जायेगा) को सैन्द्रल क/टन मिल्स लि०, कलकत्ता नामक उपरोक्त सम्पूर्ण उपत्रम का प्रवन्ध श्रपने अधिकार में लने के लिए, निम्नलिखित शर्तों के श्रध्यधीन, एतद्द्वारा प्राधिकृत करती है, श्रर्थात् .---

- (1) प्राधिकृत नियंत्रक, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निदेशो का पालन करेगा:
- (2) प्राधिकृत नियंत्रक इस श्रधिसूचित श्रादेश के सरकारी राजपत्न में प्रकाशित होने की तारीख से पाच वर्ष तक की ग्रवधि के लिए पद धारण करेगा; श्रीर
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि वह ऐसा करना श्रावश्यक समक्षेगी, तो उससे पूर्व भी इस श्राधिकृत नियन्नक की नियुक्ति को समाप्त कर सकती है।
- यह श्रादेश सरकारी राजपत्र में इसके प्रकाशित होने की तारीख में श्रारम्भ होने वाली।
 पांच वर्ष की श्रवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

|सं० फा० 9(4) |लाई० पालि० | 71]; सुरेश कुमार सहगल, संयुक्त सचिव ा